Twitter Thread by Shubham Sharma

Shubham Sharma
@Shubham_fd

Congrats, one of our reports on the Amethi case has been approved by the Chargesheet filed by police. In this case, a Dalit Pradhan was burnt to death by 4-5 Brahmins. It was a completely blind case but our team dig out the facts and published that the named accused are innocent.

Initially, mainstream media falsely reported the case and called UC men a black stain for our society. For your reference, I am posting some big media's news links https://t.co/a8fAZAvSxI

News 18
https://t.co/vHFuvpALEh

The lallantop
https://t.co/6ectkVnlki

Zee News
https://t.co/5LDkycoP0g

NDTV
https://t.co/COoqtR59sI

Now see what we reported https://t.co/TBoXWS5prf

As usual, when every media was blaming UC, only @FDikhana investigated and said the facts. Moreover, due to our report, the so-called victim side has changed their statement and said it was a suicide attempt by Dalit Pradhan. All thanks to @FDikhana. Here is the copy

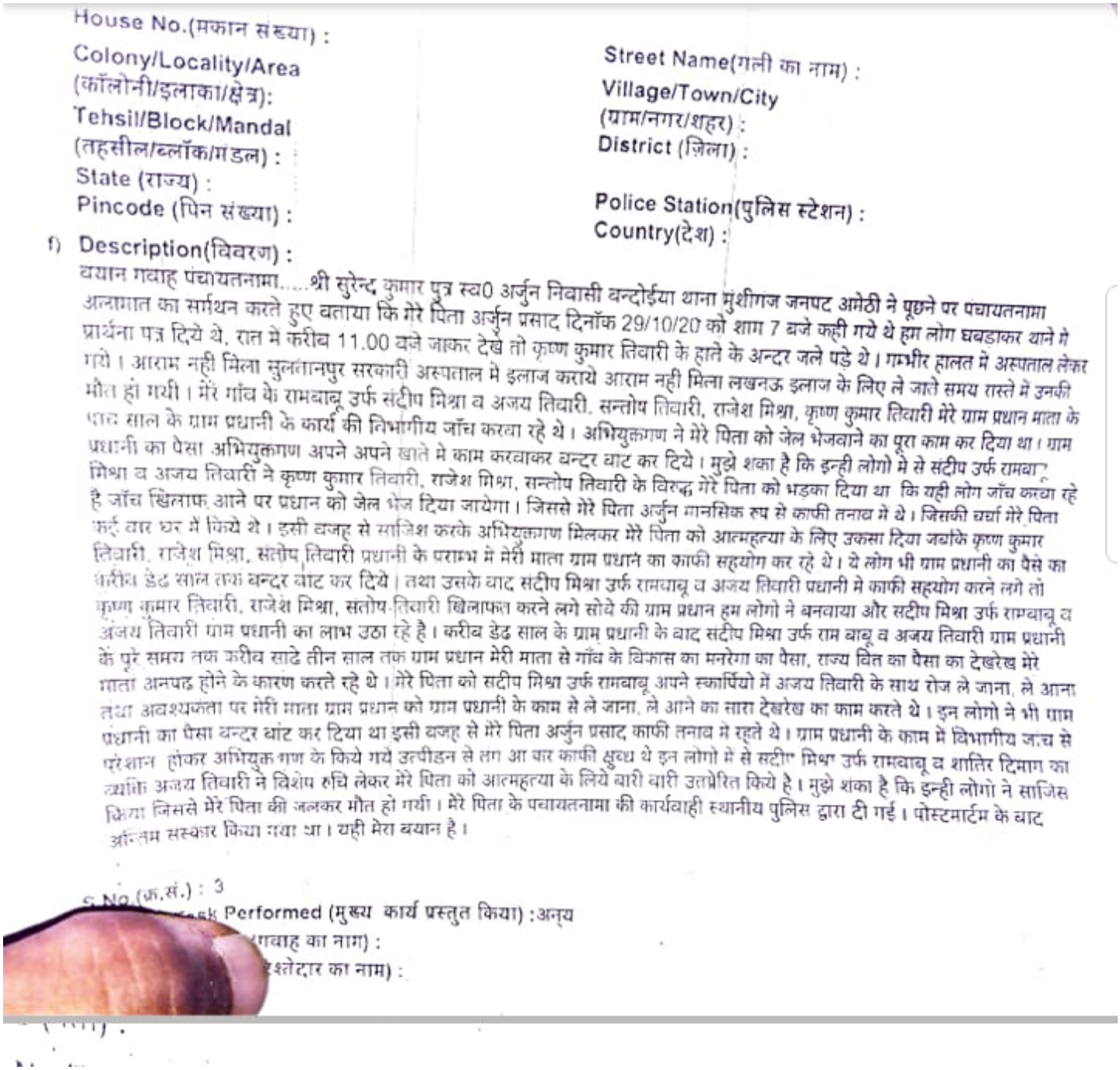

House No.(मकान संख्या) :
Colony/Locality/Area (कॉलोनी/इलाका/क्षेत्र):
Tehsil/Block/Mandal (तहसील/ब्लॉक/मंडल) :
State (राज्य) :
Pincode (पिन संख्या) :
Street Name(गली का नाम) :
Village/Town/City (ग्राम/नगर/शहर) :
District (जिला) :
Police Station(पुलिस स्टेशन) :
Country(देश) :

f) Description(विवरण) :

बयान गवाह पंचायतनामा.....श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 अर्जुन निवासी बन्दोईया थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी ने पूछने पर पंचायतनामा अन्तर्गत का समर्थन करते हुए बताया कि मेरे पिता अर्जुन प्रसाद दिनॉक 29/10/20 को शाम 7 बजे कही गये थे हम लोग घबडाकर थाने मे प्रार्थना पत्र दिये थे, रात मे करीब 11.00 बजे जाकर देखे तो कृष्ण कुमार तिवारी के हाते के अन्दर जले पडे थे। गम्भीर हालत में अस्पताल लेकर गये। आराम नही मिला सुलतानपुर सरकारी अस्पताल मे इलाज कराये आराम नही मिला लखनऊ इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते मे उनकी मौत हो गयी। मेरे गाँव के रामबाबू उर्फ संदीप मिश्रा व अजय तिवारी, सन्तोष तिवारी, राजेश मिश्रा, कृष्ण कुमार तिवारी मेरे ग्राम प्रधान माता के पांच साल के ग्राम प्रधानी के कार्य की विभागीय जाँच करवा रहे थे। अभियुक्तगण ने मेरे पिता को जेल भेजवाने का पूरा काम कर दिया था। ग्राम प्रधानी का पैसा अभियुक्तगण अपने अपने खाते मे काम करवाकर बन्दर बाट कर दिये। मुझे शका है कि इन्ही लोगो मे से संदीप उर्फ रामबाबू मिश्रा व अजय तिवारी ने कृष्ण कुमार तिवारी, राजेश मिश्रा, सन्तोष तिवारी के विरुद्ध मेरे पिता को भड़का दिया था कि यही लोग जाँच करवा रहे है जाँच खिलाफ आने पर प्रधान को जेल भेज दिया जायेगा। जिससे मेरे पिता अर्जुन मानसिक रूप से काफी तनाव मे थे। जिसकी चर्चा मेरे पिता कई बार घर में किये थे। इसी वजह से साजिश करके अभियुक्तगण मिलकर मेरे पिता को आत्महत्या के लिए उकसा दिया जबकि कृष्ण कुमार तिवारी, राजेश मिश्रा, सतोष तिवारी प्रधानी के पराम्भ मे मेरी माता ग्राम प्रधान का काफी सहयोग कर रहे थे। ये लोग भी ग्राम प्रधानी का पैसे का करीब डेढ साल तक बन्दर बाट कर दिये। तथा उसके बाद संदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू व अजय तिवारी प्रधानी मे काफी सहयोग करने लगे तो कृष्ण कुमार तिवारी, राजेश मिश्रा, सतोष तिवारी खिलाफत करने लगे सोचे की ग्राम प्रधान हम लोगो ने बनवाया और संदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू व अजय तिवारी ग्राम प्रधानी का लाभ उठा रहे है। करीब डेढ साल के ग्राम प्रधानी के बाद संदीप मिश्रा उर्फ राम बाबू व अजय तिवारी ग्राम प्रधानी के पूरे समय तक करीब साढे तीन साल तक ग्राम प्रधान मेरी माता से गाँव के विकास का मनरेगा का पैसा, राज्य वित का पैसा का देखरेख मेरे माता अनपढ होने के कारण करते रहे थे। मेरे पिता को संदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू अपने स्कार्पियो में अजय तिवारी के साथ रोज ले जाना, ले आना तथा आवश्यकता पर मेरी माता ग्राम प्रधान को ग्राम प्रधानी के काम से ले जाना, ले आने का सारा देखरेख का काम करते थे। इन लोगो ने भी ग्राम प्रधानी का पैसा बन्दर बाट कर दिया था इसी वजह से मेरे पिता अर्जुन प्रसाद काफी तनाव मे रहते थे। ग्राम प्रधानी के काम मे विभागीय जांच से परेशान होकर अभियुक्तगण के किये गये उत्पीडन से तंग आ चुके काफी क्षुब्ध थे इन लोगो मे से संदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू व शातिर दिमाग का व्यक्ति अजय तिवारी ने विशेष रुचि लेकर मेरे पिता को आत्महत्या के लिये बारी बारी उत्प्रेरित किये है। मुझे शंका है कि इन्ही लोगो ने साजिस किया जिससे मेरे पिता की जलकर मौत हो गयी। मेरे पिता के पंचायतनामा की कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा दी गई। पोस्टमार्टम के बाद अन्तिम संस्कार किया गया था। यही मेरा बयान है।

S.No (क्र.सं.) : 3
Task Performed (मुख्य कार्य प्रस्तुत किया) :अन्य
(गवाह का नाम) :
(हस्तेदार का नाम) :

Now think when the incident happened a dying declaration of the deceased man went viral where he was blaming the UC men for the incident. He said they kidnapped him and put him on fire. Just like Hathras. Govt gave 5 lacs as compensation.

https://t.co/CklqgHSDaY

All UC men are in jail for the last 3 months. One of the accused Rajesh Mishra missed her mother's funeral. All pain and miseries due to the draconian Sc-St act and propaganda by the mainstream media. Even right-wing media reported false.

Listen to the audio. A fake dying declaration just like the Hathras case. It was not an easy task for us to do as prima facia the Pradhan was looking right!

मौत से पहले का ऑडियो